राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 14
नागराज
नागराज सीरीज का प्रथम कॉमिक्स
नागराज
का एक पोस्टर
मुफ्त
TM
नागराज सीरीज़
C. PRATAP
MULICK

राज कॉमिक्स की एक दुर्लभ खोज

नागराज

चित्रकथा: परशुराम शर्मा
चित्रांकन प्रताप मुलिक
सम्पादक: मनीष चंद्रगुप्त

आतंकवादी गिरोहों की तबाही का देवता

संसार में फैले उग्रवादी संगठनों के नेताओं को प्रोफेसर नागमणि ने गोपनीय निमंत्रण भेजा। बरसों से नागमणि का सम्पर्क इन लोगों से बना हुआ था। प्रोफेसर द्वारा उन्हें महत्वपूर्ण सूचनायें मिला करती थीं। लेकिन इस बार कोई विशेष बात थी। प्रोफेसर ने उन्हें सूचना दी थी कि वह आतंकवादी गिरोहों के लिये सबसे खतरनाक हथियार बनाने में कामयाब हो गया है और अब अपने इस हथियार को किराये पर चलाना चाहता है। उसने इस हथियार का नाम रखा था-"नागराज"।

अटेन्शन प्लीज़। आप सभी अतिथियों से अनुरोध है कि आप सेन्ट्रल हॉल में पहुंचकर अपनी अपनी सीटें ग्रहण करें।

सब लोग इमारत के हॉल की ओर बढ़ने लगे।
शायद वह अपने हथियार की बोली लगवाना चाहता है।

इमारत के सेन्ट्रल हॉल में-
दोस्तो। नागराज के निर्माण में मैंने अपनी जिन्दगी के बीस बहुमूल्य वर्ष गंवाये हैं...

...एक नवजात शिशु पर मैंने अपना प्रयोग शुरू किया था, और आज उसकी इक्कीसवीं वर्षगांठ है। उसके भीतर जो थोड़ी-बहुत कमजोरियां हैं, वो अगले कुछ वर्षों में समाप्त हो जायेंगी...

...लेकिन वह इस समय आपके लिये सम्पूर्ण हथियार बन चुका है।
क्या वह कोई कम्प्यूटर है?
हम उसका प्रदर्शन देखना चाहेंगे।
जब तक हम उस हथियार की धार नहीं देख लेते, कैसे यकीन करें!

उसी के लिये आप सब को बुलाया है। आप उसकी उपयोगिता का अनुमान स्वयं लगा सकते हैं। वह कम्प्यूटर नहीं है, परन्तु इंसान होते हुये भी कम्प्यूटर से तेज कार्य की क्षमता रखता है।

आश्चर्यजनक! एक इंसान कम्प्यू-टर को मात कर जाये!

हो सकता है यह गप हो।

नागराज अभी सामने के मंच पर प्रकट होगा, जहां आप उसकी क्षमताओं और ताकत का प्रदर्शन देखेंगे।

नागराज मंच पर प्रकट हो गया।

सभी मेहमानों को नागराज का अभिवादन!

मैं इस घड़ी में अलार्म भर रहा हूँ। एक मिनट के अंदर-अंदर अलार्म बजेगा और अलार्म बजते ही आप अपनी गन निकाल कर नागराज पर फायर कर सकते हैं।

क्या हुआ?
उन्हें क्या हो गया?
अरे, साँप। उनकी कलाइयों पर मैंने साँप देखे थे।
लेकिन साँप अब हैं कहाँ?
क्या चारों मर गये?
नागराज! उन्हें जीवनदान दो।
चारों को नागराज के ज़हरीले साँपों ने डस लिया था। नागराज उनका ज़हर खींच कर उन्हें जीवित करने में सक्षम था।
शीघ्र ही-
आप चारों ने क्या देखा?
मैं कुछ देख नहीं पाया। जैसे ही रिवाल्वर मेरे हाथ में आया मैंने कलाई पर एक सर्प को लिपटे देखा, जो डंक मारते ही न जाने कहाँ गायब हो गया?
यही हमारे साथ भी हुआ।

चारों वापिस अपनी सीटों पर बैठ गये।
अब मैं किसी फाइटर की तलब करता हूँ, जो जिस विद्या का फाइटर होगा, नागराज उसी कला का प्रदर्शन करेगा।

मैं मार्शल आर्ट का महारथी हूँ।
यस, आई एम ए कुंगफू मैन।

मार्शल आर्ट के दोनों योद्धा मंच पर आ गए।
और कोई है इस आर्ट का महारथी ?
नागराज तुम दोनों का अकेला प्रतिद्वंदी होगा। इसे खत्म कर दो।

और फिर-
स्लाष

ढाक

फुस्स SS
फुस्स SS
यह स्नेक हैड है।

मैं इसके सामने पहले दर्जे के बालक की तरह लड़ा।

तुम लोगों को कैसा लगा?
हम अपनी पराजय स्वीकार करके नागराज के सामने नतमस्तक हैं।

अब देखो। नागराज किस तरह दीवार पर चढ़ता हुआ हॉल की छत से गुजरेगा।

आश्चर्य है! वह बिल्कुल साँप की तरह दीवार पर चढ़ रहा है।

ओह! कितनी तेजी से और बिना किसी आहट के छत पर रेंगता जा रहा है।

यह बेमिसाल हथियार है।

दोस्तो! नागराज हॉल के दरवाजे पर उतर चुका है। अब वह जंगल के शिकारी अंदाज में वापिस मंच पर आयेगा।

इसके अलावा भी नागराज की बहुत-सी विशेषतायें हैं, जो समय आने पर आपको मालूम हो जायेंगी। गोलियों से छलनी होने पर नागराज खुद ही उन्हें निकालकर अपने मार्ग पर चलता बनेगा और इसके शरीर से एक बूँद भी खून नहीं टपकेगा।

इसके शरीर के रक्ताणु आम इंसानों की तरह नहीं हैं। उनकी प्रक्रिया बड़ी तेज और सुरक्षित है। नागराज के जिस्म पर जख्म होते ही उनका काम मशीनी अंदाज में शुरू होता है। पहले ये रक्ताणु अंदर पहुँच चुके हानिकारक पदार्थ को बाहर निकाल देते हैं और फिर...

किसी माहिर सर्जन की तरह जख्मों को बंद कर देते हैं। यह क्रिया बड़ी तेजी से होती है और इस बीच इनका दूसरा दल घाव से रक्तस्राव रोके रहता है...

...और यह हथियार दुनिया के आतंकवादी गिरोहों के लिये तैयार किया गया है। आने वाले पाँच सालों में इसका कोर्स स्वतः पूरा हो जायेगा...

और पाँच साल बाद नागराज दीवारों से आर-पार होने का कमाल हासिल कर लेगा। किसी दूर की वस्तु को इच्छा-शक्ति से स्पर्श किये बिना उठा लेगा।
गप ही लगती है यह बात

मुझे इसकी आसाम में तोड़फोड़ के लिये तुरन्त जरूरत है।

अब नागराज की बोली लगेगी। सबसे ऊंची बोली को नागराज को भाड़े पर लेने का रेट तय समझा जायेगा और ऊंची बोली वाले को नागराज के प्रयोग के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।
बोली बोली की जाये।
और मैं इसी जगह बैठे-बैठे दुनिया का सबसे धनवान और ताकतवर इंसान बन जाऊँगा।

पाँच हजार डालर!
दस हजार।

पचास हजार डालर!
एक लाख डालर!

अन्तिम बोली एक लाख डालर। तो नागराज के एक मिशन की कीमत एक लाख डालर निश्चित की जाती है।...

...मि. बुलडाग की बोली सबसे ऊंची है, इसलिए इन्हें नागराज का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है।

...और मिस्टर बुलडाग के सम्मान में हम आज शाम एक पार्टी देंगे।

शाम को पार्टी में-
मिस्टर बुलडाज! बधाई हो। क्या आपने हिन्दुस्तान में तोड़फोड़ के लिये कोई बहुत बड़ा ठेका ले लिया है?
यह तो सौदा है भई। मैं उससे एक करोड़ का डाका भी डलवा सकता हूँ।

फिर तो तुम्हारी निगाह में जरूर कोई बहुत बड़ा खजाना है।
अपना-अपना कारोबार है।

हमारी शुभकामनायें आपके साथ हैं। हम अगले माह की बुकिंग कर लेंगे।

आतंकवादी गिरोहों के सरदारों का यह सम्मेलन समाप्त हो गया और बुलडाग नागराज को लेकर चल पड़ा।

नागराज तुम्हें कबीले वालों के मन्दिर से एक प्राचीन मूर्ति चोरी करनी है।

वह मूर्ति बहुत प्राचीन है। सभी कबीले वाले उसकी पूजा करते हैं और वह एक करोड़ रूपये मूल्य की है।
मूर्ति तो कोई भी चोरी कर सकता है।

तभी-
हैडक्वार्टर आ गया है। बाकी बातें नीचे होंगी।

नागराज! देवी की मूर्ति चोरी करना इतना आसान होता तो कभी की वह मूर्ति चोरी कर ली जाती।
मुश्किल क्या है?

कबीले के मन्दिर में रखी वह मूर्ति पौराणिक है और कबीले के लोग उस मूर्ति के लिए प्राणों का भी बलिदान कर देते हैं।
मैं मूर्ति को आसानी से चुरा लाऊंगा

लेकिन फिर भी देवी की मूर्ति चोरी करना इतना सरल नहीं है, क्योंकि उसकी रक्षा मन्दिर में रहने वाले सैकड़ों नाग करते हैं।
नाग!

नाग वैसे तो किसी को कुछ नहीं कहते, लेकिन जब कोई मन्दिर में बुरी नीयत से जाता है तो उसे डस लेते हैं।
यह तो बहुत विचित्र मामला है
हमारे पांच आदमी मारे जा चुके हैं।
मैं मूर्ति चुरा लाऊंगा।

उस मूर्ति की सुरक्षा का क्या प्रबन्ध है?
उस मूर्ति की सुरक्षा एक संन्यासी भी करता है। लोग उसे महात्मा गोरखनाथ के नाम से पुकारते हैं।

वह संन्यासी आसाम के जंगलों में कहीं रहता है लेकिन उसका निवास किसी को मालूम नहीं। वह सफेद बालों वाला शक्तिशाली इन्सान है।
वह भी मुझे नहीं रोक सकेगा।

वह एक चमत्कारी इन्सान है। लोग कहते हैं कि उसकी आयु दो सौ वर्ष है। सभी कबीलेवाले उसकी बात मानते हैं।
मैं उसका भी खेल खत्म कर दूंगा

नागराज ने मिशन पर रवाना होने की पूरी तैयारी कर ली।
क्या तुम किसी को साथ ले जाना चाहोगे?
नहीं, बस शाका मुझे जंगल की सीमा तक छोड़ देगा।

मैं तुम्हें पुल के पास छोड़ दूंगा। वापसी में जीप वहीं मिल जाएगी।

पुल पार करके नागराज बस्ती में-
पहुंचा-
बस्ती में इंसानों का पहरा भी है। इन्हें गुजर जाने दूं।
आ गये हैं

मन्दिर के पार्श्व भाग में-
बड़ी खतरनाक पहाड़ी पर खड़ी है इसकी पिछली दीवार।

नागराज खुरदरी दीवार पर आसानी से चढ़ गया।

और फिर शीघ्र ही-

नागराज नागरस्सी का प्रयोग करता है।
शूं शूं शूं

अब चलूं नीचे मन्दिर के अन्दरूनी प्रांगण में।

नीचे पहुंचने पर-
बाहर के कपाट बंद हैं और मैं अंदर आ गया हूँ।

अब यह दरवाजा।

नागानन्द, नागराज का दायां हाथ-
नागानन्द! तुम जाकर पता लगाओ कि इसे अंदर से कैसे खोला जाता है।

ओह! दरवाजा खुल रहा है। मेरे शागिर्द ने अपना कमाल दिखा दिया।

बड़ा आलौकिक प्रकाश है यहाँ।

तभी-
फुस्स
फुस्स
फुस्स

अरे! नागों मुझ पर जहर उगल रहे हो। तुम्हें अभी चखाता हूँ मजा।

नागराज के शरीर पर डसने वाला साँप पानी बनकर पिघल जाता था।
देख लो नाग-राज पर जहर उग-लने का अंजाम।
बचे हुए नाग, नागराज की जहरीली फुंकारों से धाराशायी हो गए।

और फिर नागराज मूर्ति की तरफ लपका।

लेकिन तभी-
फुस्स्स ऽऽ फुस्स ऽऽ
यह मुकाबला जोरदार रहेगा। मेरी जहरीली फुंकार का इस पर प्रभाव नहीं हुआ। इसका मतलब यह किसी विशेष दर्जे का नाग है।

स्सांय...

फुस्स!
फुस्स!

फुस्स!ऽऽ
फुस्स

धुप्प

धुप्प

उफ! काफी खतरनाक बला थी। सचमुच इस मूर्ति को चुराना आसान काम नहीं...

...लेकिन अब यह मूर्ति मेरे हाथों में है। अब यहाँ से चलना चाहिये।

और फिर-
क्षर्र क्षर्र

गश्त करते चौकीदार ने मन्दिर के गुम्बद पर प्रकाश देखा तो-
वह कौन है मन्दिर के गुम्बद पर?

बस्ती में शंख और तुरही बज उठे, जो खतरे का संकेत था।
टू टूं टू टू
ओह! खतरा! मुझे इस बस्ती से तुरन्त निकल जाना चाहिए।

वह भाग रहा है। पकड़ो ...घेर लो ...जाने न पाये।

कबीलों को खबर कर दो। चारों तरफ से घेरा डालो।

सक
तीर-भालों की बौछार चल पड़ी।
सक
सक
जिप्प

शीं शीं शीं SSS

साँप
साँप

चारों तरफ से घेरा डाला जा रहा है। मशालें ही मशालें।

ठाक
टुबिंग
साँप

मुझे इन ऊंचे वृक्षों का सहारा लेकर इनके सिरों के ऊपर से गुजर जाना चाहिए।

शीघ्र ही नागराज पुल पर पहुंच गया। वहां जीप खड़ी थी। वह जीप में सवार हो गया।

कुछ आगे बढ़ने पर –

ओह! सड़क पर पेड़ गिरा पड़ा है गाड़ी आगे नहीं निकल सकती।

कहीं यह बाबा गोरखनाथ तो नहीं?
तुम सही सोच रहे हो बालक। मैं ही गोरखनाथ हूँ। यह मूर्ति वापिस मन्दिर में जायेगी।

मैं तुम जैसे साधु-संतो की हत्या नहीं करता, इसलिए बेहतर है कि इस पेड़ को हटा दो और मुझे जाने दो।

लो, मैं तुम्हारी यह इच्छा भी पूरी किये देता हूँ।

पेड़ हट गया। अब मूर्ति मेरे हवाले कर दो और फिर तुम जा सकते हो। यदि तुमने मेरा कहा न माना तो फिर मैं तुम्हें भी अपने साथ ले जाऊँगा।

और फिर तुम्हें दंड दिया जायेगा।
देखता हूँ तुम मुझसे मूर्ति कैसे हासिल करते हो। मैं जा रहा हूँ।

लेकिन-
ओह! मेरे गले में फंदा।

श्रं श्रं श्रं

मेरे सारे नाग वापिस पलट रहे हैं। उसके कंधे पर काला नेवला बैठा है। काला नेवला शिकांगी।

शिकांगी! वह रस्सी तोड़कर फरार होना चाहता है।

फुस्स्स

फुस्स

शिकांगी नेवले का धारक बहुत बड़ा जादूगर होता है। मैं इसकी अभीमित शक्ति का मुकाबला नहीं कर सकता। मुझे भाग जाना चाहिये।

शिकांगी नागराज के चारों तरफ घूमने लगा।
ओह! इसने मेरे चारों तरफ जादुई लकीर खींच दी है।

अगर यही इंसान अपनी शक्ति का प्रयोग मानवता की रक्षा के लिये करे तो लोग इसकी पूजा करेंगे।

महात्मा गोरखनाथ ने वशीकरण विद्या द्वारा नागराज के दिमागी हालात जानने शुरू कर दिये।

नागराज। तुम नागमणि जैसे शैतान के गुलाम हो। उसने तुम्हें बनाया है। इसका मतलब तुम्हारी अपनी कोई स्वतंत्र हस्ती नहीं।

नागमणि को किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। वह मन्दिर में दाखिल हो गया।

अरे, बच्चा। ओह, कितना प्यारा बच्चा है...

...मैं इसे पालूँगा।
फिर जैसे ही नागमणि ने बच्चे को गोद में लिया...

...एक नाग फुँकारता हुआ उसके मार्ग में आ खड़ा हुआ।
यह तो इच्छाधारी नाग है। मेरी आँखें धोखा नहीं खा सकती ।

और तभी इच्छाधारी ने इन्सानी रूप धार लिया।
मेरे दर्शन बहुत मुश्किल से प्राप्त होते हैं। ऐ इंसान तू जो भी है, गौर से मेरी बात सुन।

एक लड़की मेरी पुजारिन थी। किसी ने उसके साथ अत्याचार किया और परिणाम स्वरूप यह बच्चा पैदा हुआ।

मरने से पहले उसने इस बच्चे को मेरी शरण में छोड़ दिया। तब से यह बच्चा इसी जगह है।

मुझे इस बच्चे के संरक्षक की जरूरत थी, जो इसे पालपोस कर जवान करे और इसे अपनी माँ के साथ हुये अन्याय का बदला लेने के काबिल बना सके।

मुझ पर विश्वास करो। मैं इसे वैसा ही बना दूँगा, जैसा तुम चाहते हो।
मैं इस बच्चे को पराक्रमी व बलवान बनाना चाहता हूँ।

आज से बीस वर्ष बाद तुम इस जगह आना, मैं तुम्हें मृत अवस्था में मिलूँगा। तुम मेरे कंठ से विष की थैली निकाल लेना...

...और मेरे शरीर का भस्म बनाकर इस बच्चे को खिला देना। इससे एक दिन मेरे जैसी योग्यताएँ स्वत पैदा हो जायेंगी।

फिर वह साँप के रूप में परिवर्तित हो गया।
परन्तु याद रहे, मेरी भस्म बनाकर खिलाने से पहले इस बच्चे को एक हजार जहरीले साँपों से डसवाना होगा। हल्के जहर से तुम इस पर प्रयोग करोगे।

और नागमणि ने उस बच्चे पर प्रयोग शुरू कर दिया।

स्नेक मैन! यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा आविष्कार होगा।

जिस तरह राजा विष कन्या बनाते थे, मैं विष नर बनाऊँगा। जिसके एक हजार साँप गुलाम होंगे।

ओह, अभूतपूर्व! इसके जिस्म की रंगत बदलने लगी।

कुछ दिन बाद
यह एक खौफनाक नाग की तरह नजर आ रहा है। जिसका चेहरा इंसानों जैसा है।

मैं सफल हो गया। नागराज पर अब मेरा अन्तिम प्रयोग बाकी है।

नागराज के जिस्म पर इच्छाधारी साँप के जहर की मालिश की गयी।
लेकिन मुझे इसके ब्रेन पर कंट्रोल रखना होगा। अब कुछ वर्षों बाद इस में इच्छाधारी साँप के सब गुण आ जायेंगे।

नागमणि ने नागराज के मस्तिष्क का आप्रेशन करके उसमें एक कैप्सूल फिक्स कर दिया।
अब इसकी अपनी कोई इच्छा नहीं होगी। जो मैं सोचूँगा वही इसकी सोच होगी।

नागराज। तुम मेरे गुलाम हो। तुम एक ऐसी मशीन हो, जो मेरे लिये काम करेगी।
हाँ आका! मैं आपका गुलाम हूँ।

एक हजार साँप तुम्हारे रक्त में
अदृश्य हो चुके हैं। जब तुम
उन्हें जगाओगे तो वह तुम्हारे
हाथों से जिन्दा होकर
बाहर निकल
आयेंगे।

काला नेवला शिकांगी नस्ल का होता है, जिसके दर्शन भी दुर्लभ होते हैं। यह नेवला वशीकरण शक्ति का स्वामी माना जाता है। यह अपने आप में बहुत बड़ी जादुई शक्ति है। जंगली लोग इसकी पूजा करते हैं और जादूगर अपनी कला के लिये इसकी साधना करते हैं। यह नेवला गोरखनाथ ने बड़ी साधना से प्राप्त किया था और जब से शिकांगी उसके पास था, वह रहस्यमय शक्तियों का स्वामी बन गया था।

नागराज का नया जन्म हो चुका था। उसे बाबा गोरखनाथ का आशीर्वाद प्राप्त था और वह आतंकवादी गिरोहों के विरुद्ध उठ खड़ा हुआ था। अब देखना यह है कि उसका निशाना सबसे पहले कौन बनता है। उधर गोरखनाथ ने मूर्ति को यथास्थान उसी मन्दिर में स्थापित कर दिया। मूर्ति तत्काल लौट-आने से साम्प्रदायिक हिंसा रुक गयी और कबीलों में गोरखनाथ की जयजयकार होने लगी।

नागराज अपने सफर पर निकल पड़ा।

समाप्त